

Fourteenth Loksabha**Session : 5****Date : 28-07-2005**

Participants : [Chatterjee Shri Somnath](#), [Mukherjee Shri Pranab](#), [Malhotra Prof. Vijay Kumar](#), [Acharia Shri Basudeb](#), [Singh Shri Mohan](#), [Tripathy Shri Braja Kishore](#), [Dhindsa Shri Sukhdev Singh](#), [Singh Shri Prabhunath](#), [Krishnaswamy Shri A.](#), [Yadav Shri Devendra Prasad](#), [Verma Shri Rajesh](#), [Khaire Shri Chandrakant Bhaurao](#), [Rawale Shri Mohan](#), [Athawale Shri Ramdas](#), [Mahato Shri Bir Sing](#), [Yerrannaidu Shri Kinjarapu](#), [Ponnuswamy Shri E.](#), [Mistry Shri Madhusudan Devram](#), [Francis George Shri K.](#), [Panda Shri Prabodh](#), [Thomas Shri P.C.](#), [Chatterjee Shri Somnath](#)

>

Title: Wishing Shri G.C. Malhotra, Secretary-General on his superannuation and appointing Shri P.D.T. Achary as Secretary-General.

12.19 hrs.**OBSERVATION BY THE SPEAKER**

MR. SPEAKER: Hon. Members, I have to inform the House that Shri G.C. Malhotra, Secretary-General of Lok Sabha is relinquishing his office on 31st July, 2005 on his superannuation[r4].

Shri Malhotra, who became the Secretary-General of Lok Sabha on 14th July 1999, has been recognised by all for his devotion to duty, hard work, efficiency and loyalty to the institution. I wish to record my highest appreciation of his outstanding contribution in strengthening the system of parliamentary democracy through the highest forum of our country.

Shri Malhotra has a thorough knowledge of parliamentary practices, procedures and constitutional matters which has greatly helped the Presiding Officers and the panel of Chairmen in conducting our proceedings in a smooth and orderly manner. He has always been available to all sections of the House with his learned counsel. His services have also been of great help to the Parliamentary Committees, their Chairmen and Members. He has been very objective in his advice. All these attributes have benefited the Chair and the Members in an ample measure.

Shri Malhotra has helped in successfully organising various international parliamentary conferences, seminars and workshops by the Indian Parliament. He has also been of great help to Indian Parliamentary delegations attending international parliamentary conferences and on goodwill visits to foreign Parliaments. His contributions have been acknowledged by the Commonwealth Parliamentary Association, the Inter-Parliamentary Union and various other parliamentary bodies.

He has been closely associated with the conference of the Presiding Officers of Legislative bodies in India for a long time. He has also been the Secretary to many Committees constituted by this conference. He proved his

merit as an efficient administrator and an effective team leader.

Shri Malhotra has authored several articles and also books. Because of his experience and expertise he was chosen as the 'Resource Person' by the Commonwealth Parliamentary Association in several of their seminars and workshops.

As an ideal parliamentary officer, Shri Malhotra has always been objective and committed to the institution with which he has been closely associated for over three decades. Throughout his career he has worked very conscientiously and the institution has benefited from his rich knowledge of parliamentary procedures and practices.

I have great pleasure in announcing that in recognition of his services to the Lok Sabha, Shri Malhotra will be an Honorary Officer of the House.

I wish him the best of health and a very meaningful and productive life in the years ahead. I am sure all of you will join with me. I have already expressed my appreciation for him.

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, I join you and we place on record our appreciation for his excellent performance that he has rendered as the Secretary-General of the House. I wish him a very happy and prosperous future.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, आपने जो शब्द कहे हैं, उनकी प्रशंसा की है, हम उससे सहमत हैं, सारा सदन भी उससे सहमत है। उनके द्वारा इस सदन की, जनतंत्र की, डेमोक्रेसी की, पार्लियामैन्ट की जो सेवा की गई है, वह प्रशंसनीय एवं अभिनन्दनीय है। हम उन्हें शुभकामना देते हैं।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, I entirely agree with the expression that you have made in regard to the Secretary-General, Shri G.C.Malhotra and I sincerely hope that we will continue to receive his advice and counsel and he will continue to assist us in our functioning in the Parliament.

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, श्री जी.सी.मल्होत्रा साहब के कार्यों से, उनके नितापूर्वक समग्र जीवन से मैंने बहुत कुछ सीखा है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूँ। उनके द्वारा लिखे हुए जो ग्रंथ हैं, सम्पादित पुस्तकें हैं, उनसे भविष्य में संसदीय जीवन में आने वाले लोगों को बहुत सारी दिशा मिलेगी। मैं उनके दीर्घजीवी होने की कामना करता हूँ। वह किसी न किसी रूप में यहां से सेवानिवृत्त जरूर हो रहे हैं, लेकिन संसदीय कार्यों से निवृत्त नहीं होंगे और संसद का किसी न किसी रूप में सहयोग करते रहेंगे, इस भावना के साथ मैं उन्हें बहुत बधाई देता हूँ।

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): Mr. Speaker, Sir, we are really thankful for the contribution that Shri Malhtora has made as the Secretary-General of Lok Sabha. You have very rightly mentioned about his contributions and I am associating with whatever has been expressed by you about his contributions for strengthening parliamentary practices and procedures. We would definitely be obliged for a long time to come for the contributions he has made[[snb5](#)].

श्री सुखदेव सिंह ढींङसा (संगरूर) : अध्यक्ष महोदय, आपने मल्होत्रा जी के लिए जो शब्द कहे, मैं उससे अपने को असोसियेट करता हूँ। इन्होंने नए और पुराने एम.पीज़ को जिस प्रकार गाइड किया, वह एक बहुत बड़ा रिकार्ड है। मैं सभी सदस्यों की तरफ से यही कहूंगा कि इनको जैसे भी हो, संसद से असोसियेट रखा जाए।

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, मल्होत्रा जी से हमें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला है। मैं व्यक्तिगत रूप से कहूंगा कि जब कभी कठिनाई हुई है तो हमने इनसे संपर्क किया और इनका सहयोग और स्नेह हमेशा हमें मिला। हम इनके दीर्घायु होने की कामना करते हुए आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि संसद के कार्यों में इनसे सहयोग लेने का कोई रास्ता ढूंढना चाहिए ताकि हम इनकी क्षमता से बराबर लाभान्वित हो सकें।

SHRI A. KRISHNASWAMY (SRIPERUMBUDUR): Sir, Shri Malhotra had been very cooperative with the hon. Members. The special attraction is that he is always with a smiling face and we get attracted with his smile.

Another thing is, after you have become the hon. Speaker of the House, he seems to be your younger brother.

MR. SPEAKER: You have an angry Speaker with a smiling Secretary!

... (Interruptions)

SHRI A. KRISHNASWAMY : On behalf of the DMK, I wish him all success.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, श्री जी.सी.मल्होत्रा के कार्यों की प्रशंसा के संदर्भ में आपका जो वक्तव्य आया और कतिपय माननीय नेताओं की भावना जो सदन में उनके प्रति व्यक्त हुई, मैं उनसे सहमत हूँ और अपने को संबद्ध करता हूँ। मल्होत्रा जी की जो कार्यकुशलता, दक्षता और क्षमता रही है, उनके सामने जब कभी कोई भी परिस्थिति हुई है, संसदीय कार्य के निर्वहन करने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई। संसदीय कार्य में जब कभी अनुभव का सवाल आया या कार्यकुशलता की बात आई, उसमें हम लोगों को उनकी दक्षता देखने का नज़दीक से अनुभव हुआ। प्रभुनाथ जी ने ठीक ही कहा कि उनकी कार्यक्षमता, उनकी दक्षता, उनके अनुभव का आगे भी समय-समय पर लाभ लिया जाए। हम उनके दीर्घायु जीवन के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करते हैं।

श्री राजेश वर्मा (सीतापुर) : माननीय अध्यक्ष जी, आपकी भावनाओं से अपने को संबद्ध करते हुए श्री जी.सी.मल्होत्रा जी के रिटायरमेंट पर कुछ दुख का अनुभव भी हो रहा है। इन्होंने बहुत लंबा समय हमारी संसद को दिया। इनका मृदुभागी स्वभाव और इनकी सहयोग भावना जो हमें मिली है पिछले कार्यकाल से लेकर इस कार्यकाल तक, इसको हम जीवन भर याद रखेंगे। मैं ईश्वर से कामना करता हूँ कि मल्होत्रा जी दीर्घायु हों और संसदीय परंपराओं में हमेशा रुचि लेते रहें। हम लोगों को समय-समय पर इस संसद के बाहर जाने के बाद भी बराबर सहयोग देते रहें, ऐसी शुभकामनाएं मैं देता हूँ।

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) : अध्यक्ष महोदय, मल्होत्रा जी के अनुभव को हम लोग बहुत याद करेंगे। आपने बताया कि उनकी सविनय हमेशा हमें मिलती रहेंगी, उनकी सलाह और अनुभव हमेशा मिलता रहेगा। हमारे जैसे सभी सदस्यों को उनके ज्ञान से लाभ मिलता रहेगा। जब श्री मधुकर सर्पोतदार शिवसेना के नेता थे, तब वे यहां एस्टिमेट्स कमेटी के चेयरमैन भी बने। उस समय एक पार्लियामेंट्री पे कमेटी बनी थी जिसके चेयरमैन भी सर्पोतदार जी थे। उस कमेटी में मल्होत्रा जी को उनके साथ काम करने का मौका मिला था और अच्छा अनुभव उनको हुआ। जब श्री मनोहर जोशी स्पीकर थे, तो हमें कुछ सवालात करने थे। तब मल्होत्रा जी ने कहा कि आप यह सवाल नहीं कर सकेंगे क्योंकि इससे आपके स्पीकर मुसीबत में पड़ सकते हैं। इस प्रकार कई बार उन्होंने अलग अलग मुद्दों पर हमारा मार्गदर्शन किया। हमेशा उनकी पुस्तकें हमारे लिए बहुत लाभदायक साबित हुईं। मैं शिवसेना की ओर से यही कहूंगा कि उनकी सेवाएं हमेशा सारी संसद को मिलती रहें, यही शुभकामनाएं मैं उनको भविय के लिए देता हूँ।

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : अध्यक्ष महोदय, आप उनको एक्सटेंशन दे ना[[h6](#)]।

MR. SPEAKER: I will announce something else.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, श्री जी.सी.मल्होत्रा, जिनका भारत की लोकसभा चलाने के लिए और अध्यक्ष, लोकसभा को सुचारु रूप से सदन चलाने में मदद देने के लिए बहुत बड़ा योगदान रहा है। इनका स्वाभाव बहुत अच्छा है। जब हम आपके साथ यूएसए, इंग्लैंड

तथा अन्य जगहों के दौर पर गए थे, तब श्री मल्होत्रा जी भी हमारे साथ थे। उनका ध्यान सदैव सांसदों की तरफ रहता था और खास कर मेरी तरफ उनका ध्यान ज्यादा रहता था। अभी तक जितने लोकसभा अध्यक्ष रहे हैं श्री मल्होत्रा जी का उनके साथ बहुत सहयोग होता था। अध्यक्ष महोदय, आप कल कह रहे थे कि आपको कोई सहयोग नहीं दे रहा है, मैं यहां से उठ कर बोल रहा था, मैंने आपको सहयोग दिया और बैठ गया। सामने वाले आपका सहयोग नहीं कर रहे थे, लेकिन मैं आपका सहयोग कर रहा था।

MR. SPEAKER: Thank you very much.

श्री रामदास आठवले : हम श्री जी.सी. मल्होत्रा जी को बधाई देते हैं कि उन्होंने सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने के लिए योगदान दिया और सदस्यों को प्यार दिया। इसके लिए हम उनको धन्यवाद करते हैं। लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप सेवानिवृत्ति के बाद चुनाव लड़िए। मैं आपसे वायदा करता हूँ कि अगर कोई दूसरी पार्टी आपको टिकट नहीं देती है तो हमारी रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया आपको टिकट देने के लिए तैयार है। मैं अपनी पार्टी का अकेला सदस्य हूँ लेकिन अगर आप हमारे साथ रहेंगे और जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी के सन् 1984 में दो संसद सदस्य थे, अगर हम भी दो हो जाएंगे तो 10-15 सालों के बाद हम भारतीय जनता पार्टी की छुट्टी कर देंगे। मैं अपनी पार्टी की तरफ से श्री जी.सी. मल्होत्रा को बहुत धन्यवाद देता हूँ। जय भीम, जय भारत।

6

SHRI BIR SINGH MAHATO (PURULIA): Mr. Speaker, Sir, I associate myself with what you and other leaders have stated about Shri G.C. Malhotra. His writings have helped the new Members. I have known him for the last fifteen years. I appreciate his contributions towards the working of Parliament. His writings have also helped Members of Parliament a lot. Thank you.

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Mr. Speaker, Sir, Shri Malhotra is a great, honest and lovely person. I have acquaintance with him since 1996. He was elevated to the post of Secretary-General when Shri Balayogi was the Speaker of Lok Sabha. I travelled with him in many Parliamentary Committees. He has written so many books. Those books are very useful for young Parliamentarians.

My request to the hon. Leader of the House, through you, is that since he has abundant knowledge in parliamentary procedure and practice and Constitution of India, his services should be utilised by the Government in future also for the betterment of the functioning of the Government. I wish him a long and prosperous life. Thank you.

SHRI E. PONNUSWAMY (CHIDAMBARAM): Mr. Speaker, Sir, there is a saying "Wear a smile and win a man". Shri Malhotra knows the tactics of how to win friends and influence people. We are grateful for his dedicated service so far. We wish him well. We will be highly enriched and educated by his future work also. Thank you.

SHRI MADHUSUDAN REDDY (ADILABAD): Sir, thank you very much for giving me this opportunity. On behalf of TRS, I complement the Secretary-General for the yeoman service that he has rendered. He is a guru, especially to beginners like us. He was giving very valuable service to us. We are thankful to him. We wish him prosperous life and elevation in future. Thank you[r7].

SHRI K. FRANCIS GEORGE (IDUKKI): The Secretary-General's post is very crucial in our parliamentary democratic set-up. Shri Malhotraji has upheld that position in a very illustrious manner befitting his most

illustrious predecessors who sat in the Chair. It is gratifying to note that his services will be available to the House even though in an honorary capacity. His wisdom and his experience will certainly be of help in the years to come in the conduct of the business of this House. I take this opportunity, on behalf of the Kerala Congress Party, to wish him well not a just retired life but a very active retired life.

SHRI PRABODH PANDA (MIDNAPORE): I join you and other hon. Members of this House. I express from our party thanks and gratitude to the Secretary-General, Malhotraji. I think, he will help us in the coming future and his cooperation and his valuable suggestions would help strengthen the democracy and the parliamentary democracy of our country. I wish him a happy and prosperous life.

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): My party and I offer all felicitations on the dual function of the Secretary-General - the function of the House as well as the function as administrator of the office. I think, he has been doing very well. I offer him all good wishes.

MR. SPEAKER: I am very happy and it is quite appropriate that all sections of the House have joined me in wishing him well. I can assure you he is retiring on 31st July, but from 1st August, I have given him a very special assignment. I am sure, he will perform it very successfully.

Therefore, I am quite conscious that certainly I will find out ways and means to utilize his services, which you have all appreciated. I wish him a very, very happy future life.

Hon. Members, I am also happy to announce that keeping in view the traditions in independent nature of the Lok Sabha Secretariat, I have decided, in consultation with the Leader of the House and the Leader of the Opposition, to appoint Shri P.D.T. Achary, who superannuated only on 30 June last while holding the office of the Secretary, Lok Sabha Secretariat, as Secretary-General, Lok Sabha. Shri Achary has over 35 years of a diversified experience and distinguished service in Lok Sabha Secretariat, in course of which he occupied important positions in the Secretariat and has also made his mark, in the recent past, in providing a useful assistance to the Departmentally-Related Standing Committees apart from efficiently discharging his services as Secretary of the Lok Sabha Secretariat. Shri Achary will be in position with effect from 1st August, 2005. I wish him well in the discharge of his duties and responsibilities as our next Secretary-General.

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh -- Calling Attention.

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): My clarification is not on the Home Minister's statement. I am using this opportunity in the Zero Hour.

MR. SPEAKER: This is not Zero Hour, Mr. Yerranna. It is the Calling Attention time. I have called Shri Prabhunath Singh -- Item No. 7

>

Title: Wishing Shri G.C. Malhotra, Secretary-General on his superannuation and appointing Shri P.D.T. Achary as Secretary-General.

12.19 hrs.

OBSERVATION BY THE SPEAKER

MR. SPEAKER: Hon. Members, I have to inform the House that Shri G.C. Malhotra, Secretary-General of Lok Sabha is relinquishing his office on 31st July, 2005 on his superannuation[r4].

Shri Malhotra, who became the Secretary-General of Lok Sabha on 14th July 1999, has been recognised by all for his devotion to duty, hard work, efficiency and loyalty to the institution. I wish to record my highest appreciation of his outstanding contribution in strengthening the system of parliamentary democracy through the highest forum of our country.

Shri Malhotra has a thorough knowledge of parliamentary practices, procedures and constitutional matters which has greatly helped the Presiding Officers and the panel of Chairmen in conducting our proceedings in a smooth and orderly manner. He has always been available to all sections of the House with his learned counsel. His services have also been of great help to the Parliamentary Committees, their Chairmen and Members. He has been very objective in his advice. All these attributes have benefited the Chair and the Members in an ample measure.

Shri Malhotra has helped in successfully organising various international parliamentary conferences, seminars and workshops by the Indian Parliament. He has also been of great help to Indian Parliamentary delegations attending international parliamentary conferences and on goodwill visits to foreign Parliaments. His contributions have been acknowledged by the Commonwealth Parliamentary Association, the Inter-Parliamentary Union and various other parliamentary bodies.

He has been closely associated with the conference of the Presiding Officers of Legislative bodies in India for a long time. He has also been the Secretary to many Committees constituted by this conference. He proved his merit as an efficient administrator and an effective team leader.

Shri Malhotra has authored several articles and also books. Because of his experience and expertise he was chosen as the 'Resource Person' by the Commonwealth Parliamentary Association in several of their seminars and workshops.

As an ideal parliamentary officer, Shri Malhotra has always been objective and committed to the institution with which he has been closely associated for over three decades. Throughout his career he has worked very conscientiously and the institution has benefited from his rich knowledge of parliamentary procedures and practices.

I have great pleasure in announcing that in recognition of his services to the Lok Sabha, Shri Malhotra will be an Honorary Officer of the House.

I wish him the best of health and a very meaningful and productive life in the years ahead. I am sure all of you will join with me. I have already expressed my appreciation for him.

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI PRANAB MUKHERJEE): Sir, I join you and we place on record our appreciation for his excellent performance that he has rendered as the Secretary-General of the House. I wish him a very happy and prosperous future.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, आपने जो शब्द कहे हैं, उनकी प्रशंसा की है, हम उससे सहमत हैं, सारा सदन भी उससे सहमत है। उनके द्वारा इस सदन की, जनतंत्र की, डेमोक्रेसी की, पार्लियामेंट की जो सेवा की गई है, वह प्रशंसनीय एवं अभिनन्दनीय है। हम उन्हें शुभकामना देते हैं।

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Sir, I entirely agree with the expression that you have made in regard to the Secretary-General, Shri G.C.Malhotra and I sincerely hope that we will continue to receive his advice and counsel and he will continue to assist us in our functioning in the Parliament.

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : अध्यक्ष महोदय, श्री जी.सी.मल्होत्रा साहब के कार्यों से, उनके निठापूर्वक समग्र जीवन से मैंने बहुत कुछ सीखा है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूँ। उनके द्वारा लिखे हुए जो ग्रंथ हैं, सम्पादित पुस्तकें हैं, उनसे भविय में संसदीय जीवन में आने वाले लोगों को बहुत सारी दिशा मिलेगी। मैं उनके दीर्घजीवी होने की कामना करता हूँ। वह किसी न किसी रूप में यहां से सेवानिवृत्त जरूर हो रहे हैं, लेकिन संसदीय कार्यों से निवृत्त नहीं होंगे और संसद का किसी न किसी रूप में सहयोग करते रहेंगे, इस भावना के साथ मैं उन्हें बहुत बधाई देता हूँ।

SHRI BRAJA KISHORE TRIPATHY (PURI): Mr. Speaker, Sir, we are really thankful for the contribution that Shri Malhtora has made as the Secretary-General of Lok Sabha. You have very rightly mentioned about his contributions and I am associating with whatever has been expressed by you about his contributions for strengthening parliamentary practices and procedures. We would definitely be obliged for a long time to come for the contributions he has made[[snb5](#)].

श्री सुखदेव सिंह ढींडसा (संगरूर) : अध्यक्ष महोदय, आपने मल्होत्रा जी के लिए जो शब्द कहे, मैं उससे अपने को असोसियेट करता हूँ। इन्होंने नए और पुराने एम.पीज़ को जिस प्रकार गाइड किया, वह एक बहुत बड़ा रिकार्ड है। मैं सभी सदस्यों की तरफ से यही कहूंगा कि इनको जैसे भी हो, संसद से असोसियेट रखा जाए।

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार) : अध्यक्ष महोदय, मल्होत्रा जी से हमें बहुत कुछ सीखने का मौका मिला है। मैं व्यक्तिगत रूप से कहूंगा कि जब कभी कठिनाई हुई है तो हमने इनसे संपर्क किया और इनका सहयोग और स्नेह हमेशा हमें मिला। हम इनके दीर्घायु होने की कामना करते हुए आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि संसद के कार्यों में इनसे सहयोग लेने का कोई रास्ता ढूंढना चाहिए ताकि हम इनकी क्षमता से बराबर लाभान्वित हो सकें।

SHRI A. KRISHNASWAMY (SRIPERUMBUDUR): Sir, Shri Malhotra had been very cooperative with the hon. Members. The special attraction is that he is always with a smiling face and we get attracted with his smile.

Another thing is, after you have become the hon. Speaker of the House, he seems to be your younger brother.

MR. SPEAKER: You have an angry Speaker with a smiling Secretary!

... (Interruptions)

SHRI A. KRISHNASWAMY : On behalf of the DMK, I wish him all success.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, श्री जी.सी.मल्होत्रा के कार्यों की प्रशंसा के संदर्भ में आपका जो वक्तव्य आया और कतिपय माननीय नेताओं की भावना जो सदन में उनके प्रति व्यक्त हुई, मैं उनसे सहमत हूँ और अपने को संबद्ध करता हूँ। मल्होत्रा जी की जो कार्यकुशलता, दक्षता और क्षमता रही है, उनके सामने जब कभी कोई भी परिस्थिति हुई है, संसदीय कार्य के निर्वहन करने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई। संसदीय कार्य में जब कभी अनुभव का सवाल आया या कार्यकुशलता की बात आई, उसमें हम लोगों को उनकी दक्षता देखने का नज़दीक से अनुभव हुआ। प्रभुनाथ जी ने ठीक ही कहा कि उनकी कार्यक्षमता, उनकी दक्षता, उनके अनुभव का आगे भी समय-समय पर लाभ लिया जाए। हम उनके दीर्घायु जीवन के लिए शुभकामनाएं व्यक्त करते हैं।

श्री राजेश वर्मा (सीतापुर) : माननीय अध्यक्ष जी, आपकी भावनाओं से अपने को संबद्ध करते हुए श्री जी.सी.मल्होत्रा जी के रिटायरमेंट पर कुछ दुख का अनुभव भी हो रहा है। इन्होंने बहुत लंबा समय हमारी संसद को दिया। इनका मृदुभागी स्वभाव और इनकी सहयोग भावना जो हमें मिली है पिछले कार्यकाल से लेकर इस कार्यकाल तक, इसको हम जीवन भर याद रखेंगे। मैं ईश्वर से कामना करता हूँ कि मल्होत्रा जी दीर्घायु हों और संसदीय परंपराओं में हमेशा रुचि लेते रहें। हम लोगों को समय-समय पर इस संसद के बाहर जाने के बाद भी बराबर सहयोग देते रहें, ऐसी शुभकामनाएं मैं देता हूँ।

श्री चंद्रकांत खैरे (औरंगाबाद, महाराष्ट्र) : अध्यक्ष महोदय, मल्होत्रा जी के अनुभव को हम लोग बहुत याद करेंगे। आपने बताया कि उनकी सँ वसेज़ हमेशा हमें मिलती रहेंगी, उनकी सलाह और अनुभव हमेशा मिलता रहेगा। हमारे जैसे सभी सदस्यों को उनके ज्ञान से लाभ मिलता रहेगा। जब श्री मधुकर सर्पोतदार शिवसेना के नेता थे, तब वे यहां एस्टिमेट्स कमेटी के चेयरमैन भी बने। उस समय एक पार्लियामेंट्री पे कमेटी बनी थी जिसके चेयरमैन भी सर्पोतदार जी थे। उस कमेटी में मल्होत्रा जी को उनके साथ काम करने का मौका मिला था और अच्छा अनुभव उनको हुआ। जब श्री मनोहर जोशी स्पीकर थे, तो हमें कुछ सवालालात करने थे। तब मल्होत्रा जी ने कहा कि आप यह सवाल नहीं कर सकेंगे क्योंकि इससे आपके स्पीकर मुसीबत में पड़ सकते हैं। इस प्रकार कई बार उन्होंने अलग अलग मुद्दों पर हमारा मार्गदर्शन किया। हमेशा उनकी पुस्तकें हमारे लिए बहुत लाभदायक साबित हुईं। मैं शिवसेना की ओर से यही कहूंगा कि उनकी सेवाएं हमेशा सारी संसद को मिलती रहें, यही शुभकामनाएं मैं उनको भविय के लिए देता हूँ।

श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : अध्यक्ष महोदय, आप उनको एक्सटेंशन दे नाँ[h6]।

MR. SPEAKER: I will announce something else.

श्री रामदास आठवले (पंढरपुर) : अध्यक्ष महोदय, श्री जी.सी.मल्होत्रा, जिनका भारत की लोकसभा चलाने के लिए और अध्यक्ष, लोकसभा को सुचारु रूप से सदन चलाने में मदद देने के लिए बहुत बड़ा योगदान रहा है। इनका स्वाभाव बहुत अच्छा है। जब हम आपके साथ यूएसए, इंग्लैंड तथा अन्य जगहों के दौर पर गए थे, तब श्री मल्होत्रा जी भी हमारे साथ थे। उनका ध्यान सदैव सांसदों की तरफ रहता था और खास कर मेरी तरफ उनका ध्यान ज्यादा रहता था। अभी तक जितने लोकसभा अध्यक्ष रहे हैं श्री मल्होत्रा जी का उनके साथ बहुत सहयोग होता था। अध्यक्ष महोदय, आप कल कह रहे थे कि आपको कोई सहयोग नहीं दे रहा है, मैं यहां से उठ कर बोल रहा था, मैंने आपको सहयोग दिया और बैठ गया। सामने वाले आपका सहयोग नहीं कर रहे थे, लेकिन मैं आपका सहयोग कर रहा था।

MR. SPEAKER: Thank you very much.

श्री रामदास आठवले : हम श्री जी.सी. मल्होत्रा जी को बधाई देते हैं कि उन्होंने सदन की कार्यवाही को सुचारु रूप से चलाने के लिए योगदान दिया और सदस्यों को प्यार दिया। इसके लिए हम उनको धन्यवाद करते हैं। लेकिन मैं चाहता हूँ कि आप सेवानिवृत्ति के बाद चुनाव लड़िए। मैं आपसे वायदा करता हूँ कि अगर कोई दूसरी पार्टी आपको टिकट नहीं देती है तो हमारी रिपब्लिकन पार्टी आफ इंडिया आपको टिकट देने के लिए तैयार है। मैं अपनी पार्टी का अकेला सदस्य हूँ लेकिन अगर आप हमारे साथ रहेंगे और जिस तरह से भारतीय जनता पार्टी के सन् 1984 में दो संसद सदस्य थे, अगर हम भी दो हो जाएंगे तो 10-15 सालों के बाद हम भारतीय जनता पार्टी की छुट्टी कर देंगे। मैं अपनी पार्टी की तरफ से श्री जी.सी. मल्होत्रा को बहुत धन्यवाद देता हूँ। जय भीम, जय भारत।

6

SHRI BIR SINGH MAHATO (PURULIA): Mr. Speaker, Sir, I associate myself with what you and other leaders have stated about Shri G.C. Malhotra. His writings have helped the new Members. I have known him for the last fifteen years. I appreciate his contributions towards the working of Parliament. His writings have also helped Members of Parliament a lot. Thank you.

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Mr. Speaker, Sir, Shri Malhotra is a great, honest and lovely person. I have acquaintance with him since 1996. He was elevated to the post of Secretary-General when Shri Balayogi was the Speaker of Lok Sabha. I travelled with him in many Parliamentary Committees. He has written so many books. Those books are very useful for young Parliamentarians.

My request to the hon. Leader of the House, through you, is that since he has abundant knowledge in parliamentary procedure and practice and Constitution of India, his services should be utilised by the Government in future also for the betterment of the functioning of the Government. I wish him a long and prosperous life. Thank you.

SHRI E. PONNUSWAMY (CHIDAMBARAM): Mr. Speaker, Sir, there is a saying "Wear a smile and win a man". Shri Malhotra knows the tactics of how to win friends and influence people. We are grateful for his dedicated service so far. We wish him well. We will be highly enriched and educated by his future work also. Thank you.

SHRI MADHUSUDAN REDDY (ADILABAD): Sir, thank you very much for giving me this opportunity. On behalf of TRS, I complement the Secretary-General for the yeoman service that he has rendered. He is a guru, especially to beginners like us. He was giving very valuable service to us. We are thankful to him. We wish him prosperous life and elevation in future. Thank you[r7].

SHRI K. FRANCIS GEORGE (IDUKKI): The Secretary-General's post is very crucial in our parliamentary democratic set-up. Shri Malhotraji has upheld that position in a very illustrious manner befitting his most illustrious predecessors who sat in the Chair. It is gratifying to note that his services will be available to the House even though in an honorary capacity. His wisdom and his experience will certainly be of help in the years to come in the conduct of the business of this House. I take this opportunity, on behalf of the Kerala Congress Party, to wish him well not a just retired life but a very active retired life.

SHRI PRABODH PANDA (MIDNAPORE): I join you and other hon. Members of this House. I express from our party thanks and gratitude to the Secretary-General, Malhotraji. I think, he will help us in the coming future and his cooperation and his valuable suggestions would help strengthen the democracy and the parliamentary democracy of our country. I wish him a happy and prosperous life.

SHRI P.C. THOMAS (MUVATTUPUZHA): My party and I offer all felicitations on the dual function of the Secretary-General - the function of the House as well as the function as administrator of the office. I think, he has been doing very well. I offer him all good wishes.

MR. SPEAKER: I am very happy and it is quite appropriate that all sections of the House have joined me in wishing him well. I can assure you he is retiring on 31st July, but from 1st August, I have given him a very special assignment. I am sure, he will perform it very successfully.

Therefore, I am quite conscious that certainly I will find out ways and means to utilize his services, which you have all appreciated. I wish him a very, very happy future life.

Hon. Members, I am also happy to announce that keeping in view the traditions in independent nature of the Lok Sabha Secretariat, I have decided, in consultation with the Leader of the House and the Leader of the Opposition, to appoint Shri P.D.T. Achary, who superannuated only on 30 June last while holding the office of the Secretary, Lok Sabha Secretariat, as Secretary-General, Lok Sabha. Shri Achary has over 35 years of a diversified experience and distinguished service in Lok Sabha Secretariat, in course of which he occupied important positions in the Secretariat and has also made his mark, in the recent past, in providing a useful assistance to the Departmentally-Related Standing Committees apart from efficiently discharging his services as Secretary of the Lok Sabha Secretariat. Shri Achary will be in position with effect from 1st August, 2005. I wish him well in the discharge of his duties and responsibilities as our next Secretary-General.

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh -- Calling Attention.

SHRI KINJARAPU YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): My clarification is not on the Home Minister's statement. I am using this opportunity in the Zero Hour.

MR. SPEAKER: This is not Zero Hour, Mr. Yerranna. It is the Calling Attention time. I have called Shri Prabhunath Singh -- Item No. 7